हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)

(दूर्वा)(पाठ 10)(वल्ली कानन – बस की सैऱ)

(कक्षा 8)

प्रश्न अभ्यास

1.कहानी से

क:

शहर की ओर जाते हुए वल्ली ने बस की खिड़की से बाहर क्या–क्या देखा ? अब तो उसकी खिड़की से बाहर देखने की इच्छा भी खत्म हो गई थी।

उत्तर क:

शहर की ओर जाते हुए वल्ली ने बस की खिड़की से बाहर नहर उसके पार ताड़ के वृक्ष, घास के मैदान, सुदूर पहाड़ियाँ और नीला आकाश दूसरी ओर एक गहरी खाई थी, जिसके परे दूर–दूर तक फैले हुए हरे–भरे खेत! दूर तक हरियाली ही हरियाली। गाय की एक बछिया अपनी दुम ऊपर उठाए सड़क के बीचों–बीच बस के ठीक सामने दौड़ रही थी। ड्रांइवर जितनी जोर से भोंपू बजाता, उतना ही ज्यादा वह डर कर बेतहाशा भागने लगती। लेकिन कुछ देर बाद उसने देखा कि वह बछिया...सड़क पर मरी पड़ी थी। इस सबके बाद उसकी खिड़की से बाहर देखने की इच्छा भी खत्म हो गई थी।

ख:

वापसी में वल्ली ने खिड़की के बाहर देखना बंद क्यों कर दिया?

उत्तर ख:

वल्ली ने जिस बछिया का कुछ देर पहले सड़क पर कूदते हुए देखा था वह अब सड़क पर मरी पड़ी थी वह किसी गाड़ी के नीचे आ गई थी। ओह! कुछ क्षण पहले जो एक प्यारा, सुंदर जीव था, अब अचानक अपनी सुंदरता और सजीवता खो रहा था। अब वह कितना डरावना लग रहा था।...फैली हुई टाँगें, पथराई हुई आँखें, खून से लथपथ अब खिड़की से बाहर झाँककर और दृश्य देखने की उसकी इच्छा नहीं रही थी। वह अपनी सीट पर जमी बैठी रही।

ग:

वल्ली ने बस के टिकट के लिए पैसों का प्रबंध कैसे किया?

उत्तर ग:

इसके लिए उसे छोटी–छोटी जो भी रेजगारी हाथ लगी, इकट्ठी करनी पड़ी उसे अपनी कितनी ही इच्छाओं को दबाना पड़ा...जैसे कि वह मीठी गोलियाँ नहीं खरीदेगी...खिलौने,गुब्बारे कुछ भी नहीं लेगी। कितना बड़ा संयम था यह और फिर विशेष रूप से उस दिन, जब जेब में पैसे होते हुए भी, गाँव के मेले में गोल–गोल घूमने वाले झूले पर बैठने को उसका कितना जी चाह रहा था। मगर बस में घूमने के लिए उसने अपने मन को मार लिया।

2. क्या होता अगर

क:

वल्ली की माँ जाग जाती और वल्ली को घर पर न पाती ?

उत्तर क:

अगर वल्ली की मॉ जाग जाती और उसे घर पर न पाती तो वह बहुत ही परेशान हो जाती और उसे पूरे मोहल्ले में ढूँढती घूमती ।

ख:

वल्ली शहर देखने के लिए बस से उतर जाती और बस वापिस चली जाती ?

उत्तर ख:

वल्ली अगर शहर देखने के लिए बस से उतर जाती तो नए शहर में खो जाती ।